A–591

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAKA–101/BAKK–101

कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त्त ज्ञान

कला में स्नातक (कर्मकाण्ड) बी.ए.

प्रथम वर्ष, सत्र 2024 (June)

समय : 2:00 घंटा पूर्णांक : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नामकरण संस्कार के महत्व का वर्णन करें।

2. प्रात:सन्ध्या के प्रभाव का उल्लेख करें।

3. यजुर्वेद के महत्व का वर्णन करें।

4. पितृयज्ञ (तर्पण) की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

5. पंचांग से क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट करें।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सभी नक्षत्रों के नामों का उल्लेख करें।

2. शिववास को ग्रन्थानुसार स्पष्ट करें।

3. विष्कुंभादि योगों के नामों को लिखें।

4. कर्णवेघ संस्कार को स्पष्ट करें।

5. वार दिक्शूल का उल्लेख करें।

6. पंचमहायज्ञों के नामों का उल्लेख करते हुए किसी एक–यज्ञ का वर्णन करें।

7. 'दीक्षा' के महत्व को स्पष्ट करें।

8. ''अन्नप्राशन'' का तात्पर्य स्पष्ट करें।

****